महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का कुलाधिपति छात्रवृत्ति वितरण एवं बालिका छात्रावास शिलान्यास समारोह में उद्बोधन

स्थान :- भोपाल, दिनांक :- 4 फरवरी 2013 सामय :- मध्यान्ह 12 बजे

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आज यहां आयोजित कुलाधिपति छात्रवृत्ति वितरण एवं बालिका छात्रावास शिलान्यास समारोह में शामिल होकर, मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। सर्वप्रथम मैं, छात्रवृत्ति के लिए चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

विद्यार्थियों को शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं और सहायता उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इस प्रकार के आयोजनों से शैक्षणिक परिसरों में स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। छात्रवृत्ति की राशि से मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलती है साथ ही यह छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम है तथा भविष्य के लिए प्रेरणा भी है। जब मेधावी छात्र-छात्राएं इसे अर्जित करेंगे तो, गुरूजनों और बड़ों का आशीर्वाद उन्हें निश्चित ही प्राप्त होगा। इस प्रकार का वातावरण छात्र-छात्राओं को आज पल-पल बदलते वैज्ञानिक युग में आगे बढ़ने में अवश्य ही मददगार होगा।

मुझे बताया गया है कि इस विश्वविद्यालय से संबंद्ध मध्यप्रदेश स्थित समस्त अभियांत्रिकीय, फार्मेसी, आर्किटेक्चर महाविद्यालयों में स्नातक पाठ¬क्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को संकायवार सैद्धांतिक विषयों की प्रावीण्य सूची के आधार पर शैक्षणिक वर्ष 2008-09 से कुलाधिपति छात्रवृत्ति प्रारम्भ की गई है। इसी अनुक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2012-2013 के लिए कुलाधिपति छात्रवृत्ति बीस हजार रूपये प्रति वर्ष प्रति छात्र को प्रदान की जा रही है। यह छात्रवृत्ति देश की अनूठी पहल है। यह छात्रवृत्ति राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को अध्ययन के दौरान प्रावीण्यता के लिए पुरस्कृत करते हुए उनमें अध्ययन की ओर प्रतियोगी मानसिकता के विकास हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दी जाती है। इस वर्ष विभिन्न संकायों में कुल 213 मेधावी छात्र इस छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं। इस प्रकार 2008-9 से अभी तक लगभग 855 छात्र-छात्राओं को अपनी शिक्षा के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान कर एक अत्यन्त सराहनीय कार्य किया है। इसके अतिरिक्त राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं फाउण्डेशन फॉर एक्सीलेंस, यू.एस.ए. द्वारा 11 मेधावी छात्रों को शैक्षणिक शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए भी छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

प्रदेश में अध्ययनरत छात्र जो काफी प्रतिभावान होने के बावजूद आर्थिक तंगी के हालात में होने के कारण उनकी प्रतिभाओं का तकनीकी शिक्षा से पलायन हो जाता है या वे तकनीकी शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यह प्रयास इन छात्रों के अध्ययन एवं विकास हेतु मील का पत्थर साबित होगा।

आज के दौर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग से विश्व में चकित कर देने वाली उपलब्धियाँ हासिल की जा रही हैं। विज्ञान और टेक्नोलॉजी का उपयोग मानव कल्याण और कृषि सुधार तथा उद्योग धन्धों की उन्नति के लिए भी किया जा रहा है। हमारे देश और प्रदेश में भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत उन्नति हुई है। परन्तु उस पर संतुष्ट होकर बैठने का समय नहीं है। आज विश्व में जिस तेजी से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बदलाव हो रहे हैं उससे नई-नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। मैं विज्ञान और टेक्नोलॉजी से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों से आग्रह करना चाहूंगा कि हमारा देश पुन: समृद्धि के शिखर पर पहुंचे और विश्व को अपना कुछ अवदान दे सके, इस दृष्टि से देश में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को गति देने की आवश्यकता है।

मैं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं से आग्रह करूंगा कि वे निरंतर अनुसंधान और खोज के जरिये खेती-किसानी में अधिकतम उत्पादन और छोटे काम धन्धों में समुचित लाभ प्राप्त करने में सहायक तकनीकों का विकास करें।

किसी भी देश की प्रगति का मूल्यांकन, उस देश के शिक्षा के स्तर को देखकर किया जाता है। इस दृष्टि से विश्व में हमारे देश की स्थिति सम्मानजनक है। आज हमारे शिक्षाविद् देश ही नहीं, वरन् सम्पूर्ण विश्व में अपनी विद्वत्ता के बल पर सम्मान अर्जित कर रहे हैं।

इस अवसर पर मैं छात्राओं को बधाई देना चाहता हूं कि उनको बेहतर वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रावास के निर्माण का यह कदम उठाया गया है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रशंसा का पात्र है। हमारे समाज और देश में बालिकाओं का सम्मानीय स्थान है। वह जो शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करती हैं उससे सिर्फ उनका ही नहीं एक नैतिक और चरित्रवान समाज और देश का निर्माण होता है। मुझे बताया गया है कि बालिका छात्रावास का कवर्ड एरिया 252 कक्षों, लायब्रोरी सहित लगभग 9695 वर्गमीटर में फैला हुआ है जिसकी क्षमता 330 सीटर होगी। इस अवसर पर मैं, छात्र-छात्राओं से कहना चाहूंगा कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों द्वारा उनको उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भरपूर उपयोग करते हुए उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त करें जिससे देश और प्रदेश का नाम रौशन

कर सकें। शिक्षा से अर्जित ज्ञान का उपयोग देश, समाज और परिवार की भलाई के लिए करें। देश का भविष्य उज्जवल बनाने की जिम्मेदारी वास्तव में, आप सभी युवाओं के मजबूत कंधों पर है।

शिक्षकों से मेरा आग्रह है कि विद्यार्थियों के सच्चे मार्गदर्शक बनने के साथ उनके समग्र विकास पर विशेष ध्यान केन्द्रित करें। शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

आप सभी छात्र-छात्राओं को एक बार पुन: हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

जय हिन्द।